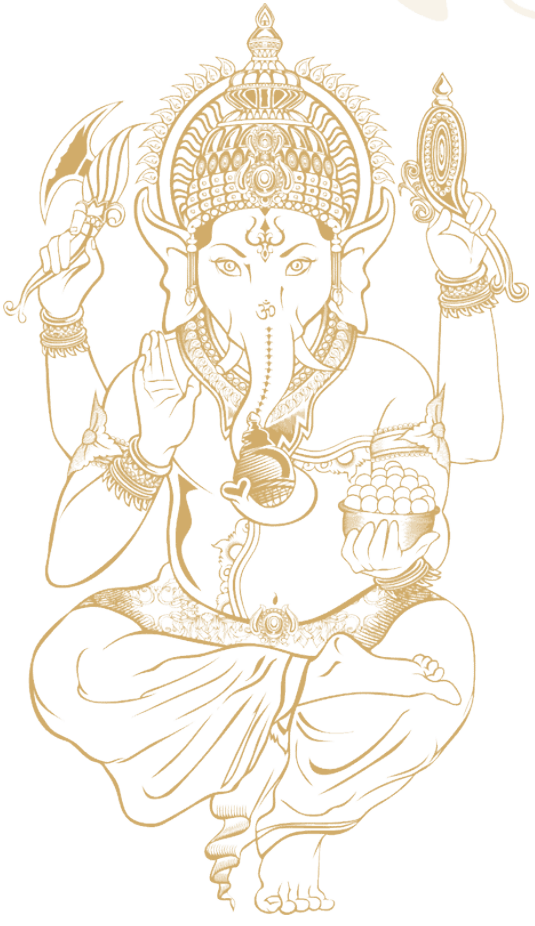

Harshit

13 Aug 1997

11:20 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121410205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/08/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:20:00 घंटे**
इष्ट	14:10:29 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:11:16 घंटे
वेलान्तर	-00:04:52 घंटे
साम्पातिक काल	08:38:06 घंटे
सूर्योदय	05:39:48 घंटे
सूर्यास्त	18:46:53 घंटे
दिनमान	13:07:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	26:42:06 कर्क
लग्न के अंश	11:16:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:16:30	315:15:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कर्क	26:42:06	00:57:36	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	17:04:43	13:12:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल			तुला	05:29:26	00:36:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध			सिंह	21:29:43	00:23:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	22:41:52	00:07:47	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र			कन्या	00:59:05	01:11:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि	व		मीन	26:25:22	00:01:11	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	26:16:30	00:02:32	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:16:30	00:02:32	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:18:16	00:02:18	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:08:36	00:01:28	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:00:17	00:00:00	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	13:18:06	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:24

लग्न-चलित

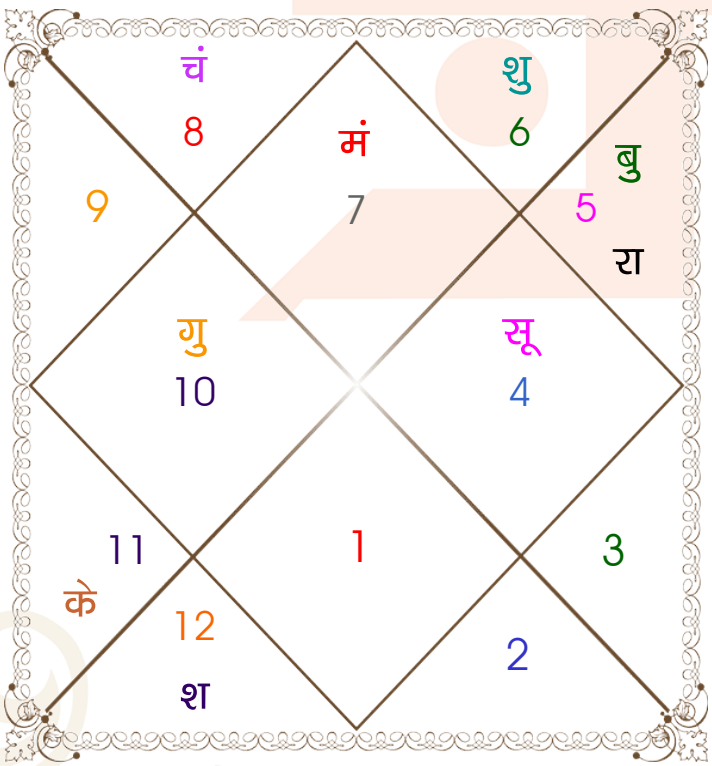

चन्द्र कुंडली

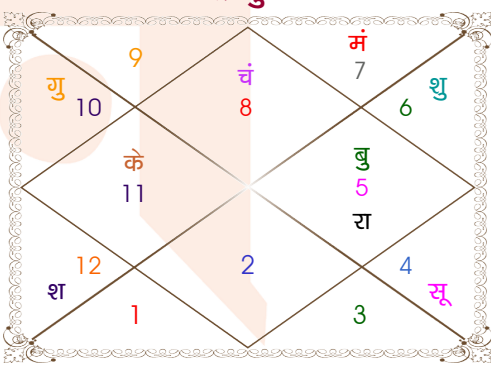

नवमांश कुंडली

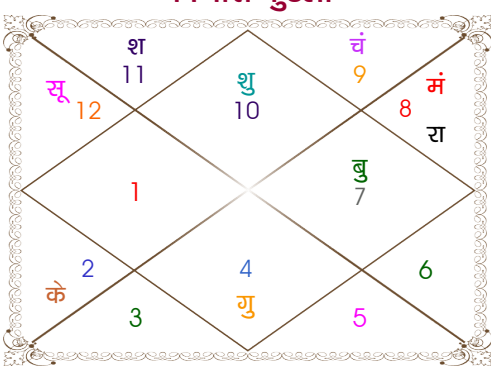

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 5 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
13/08/1997		02/02/2014		02/02/2021		02/02/2041		03/02/2047	
02/02/2014		02/02/2021		02/02/2041		03/02/2047		02/02/2057	
बुध	02/07/1999	केतु	02/07/2014	शुक्र	04/06/2024	सूर्य	23/05/2041	चंद्र	04/12/2047
केतु	28/06/2000	शुक्र	01/09/2015	सूर्य	04/06/2025	चंद्र	21/11/2041	मंगल	04/07/2048
शुक्र	29/04/2003	सूर्य	07/01/2016	चंद्र	03/02/2027	मंगल	29/03/2042	राहु	03/01/2050
सूर्य	04/03/2004	चंद्र	07/08/2016	मंगल	04/04/2028	राहु	21/02/2043	गुरु	05/05/2051
चंद्र	04/08/2005	मंगल	03/01/2017	राहु	05/04/2031	गुरु	10/12/2043	शनि	03/12/2052
मंगल	01/08/2006	राहु	21/01/2018	गुरु	04/12/2033	शनि	21/11/2044	बुध	05/05/2054
राहु	17/02/2009	गुरु	28/12/2018	शनि	02/02/2037	बुध	28/09/2045	केतु	04/12/2054
गुरु	26/05/2011	शनि	06/02/2020	बुध	04/12/2039	केतु	02/02/2046	शुक्र	04/08/2056
शनि	02/02/2014	बुध	02/02/2021	केतु	02/02/2041	शुक्र	03/02/2047	सूर्य	02/02/2057

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/02/2057		03/02/2064		02/02/2082		02/02/2098		03/02/2117	
03/02/2064		02/02/2082		02/02/2098		03/02/2117		00/00/0000	
मंगल	01/07/2057	राहु	16/10/2066	गुरु	23/03/2084	शनि	06/02/2101	बुध	14/08/2117
राहु	20/07/2058	गुरु	11/03/2069	शनि	04/10/2086	बुध	17/10/2103		00/00/0000
गुरु	26/06/2059	शनि	16/01/2072	बुध	09/01/2089	केतु	25/11/2104		00/00/0000
शनि	04/08/2060	बुध	04/08/2074	केतु	16/12/2089	शुक्र	26/01/2108		00/00/0000
बुध	01/08/2061	केतु	23/08/2075	शुक्र	16/08/2092	सूर्य	07/01/2109		00/00/0000
केतु	28/12/2061	शुक्र	22/08/2078	सूर्य	04/06/2093	चंद्र	08/08/2110		00/00/0000
शुक्र	27/02/2063	सूर्य	17/07/2079	चंद्र	04/10/2094	मंगल	17/09/2111		00/00/0000
सूर्य	05/07/2063	चंद्र	15/01/2081	मंगल	10/09/2095	राहु	24/07/2114		00/00/0000
चंद्र	03/02/2064	मंगल	02/02/2082	राहु	02/02/2098	गुरु	03/02/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।